

धासिनेषा ज्ञार्मयेण पर्यासा पीयाय 4, 3, 9. धासिं केषान् ओषधीर्बन्ध्मिर्न वायति 8, 43, 7. 29. धासिमि व प्र भर्ता येनिर्ममये 1, 140, 1. आत्मेन्द्रस्य भवसि धासिरुत्तमः 9, 83, 3. विदत्सुर्मा तनयाय धासिम् 1, 62, 3. 122, 13. 3. 7, 1. 3. 7, 6, 2. ऀव. च. 4, 6 (abweichend AV. 4, 1, 2 und ÇĀNH. Ch.).

धास्यु (wie eben) adj. zu trinken (essen) begierig: धास्युर्यानिं प्रथम आ विवेश AV. 5, 1, 2. यमं श्रीणान् प्रथमाय धास्यवे 4, 1, 2. 2, 1, 4.

1. धि (धिन्व्), धिनोति Dhātup. 13, 84. P. 3, 1, 80. Vop. 12, 5. 6. sātti-  
gen: आपः पीताः केवल्यो न धिन्वति Çat. Br. 3, 6, 1, 7. न वै मेदं धिनो-  
ति यन्मा धिनवत्तन्मे कुरुत 1, 6, 4, 4. fgg. TS. 2, 5, 3, 4. मध्यतो वै प्रजा अन्नं  
धिनोति Ait. Br. 5, 3. TBa. 1, 2, 6, 2. धान्यमसि धिनुहि देवान् VS. 1, 20.  
Pāṇāv. Br. 4, 10, 1. 23, 7, 6. 19, 4. Shapv. Br. 1, 5. धिनुहि यज्ञं धिनुहि  
यज्ञपतिम् ved. Schol. zu P. 6, 4, 106. Vārtt. ergötzen, erfreuen (प्रीणान्)  
Dhātup. (nach Audern गति). भर्गमृहिणीं रुधिरैर्धिनामि Phab. 53, 7. धि-  
नोति नास्मान् जलजेन पूजा त्वयान्वहे तन्वि वितन्यमाना Naish. 8, 97.  
Gtr. 12, 15. अथ परिणयरात्रौ प्रक्रमेन्नैव किंचित्समुच्च रजनीयु स्तब्ध-  
भावी धिनोति (wohl भार्याम् zu ergänzen) Cit. aus einem Kāmaçāstra  
bei Mallin. zu Kumāras. 7, 94. — partic. धित s. मुधित und मुहिति.

— अग्निं sātti-gen: तदेवाशुनाभ्यधिन्वन् Pāṇāv. Br. 14, 9, 10. प्राणैरे-  
चैनं तदभ्यधिन्वन् Kāth. 27, 5.

2. धि, धियेति halten, tragen Dhātup. 28, 113. — Vgl. 4. धी.

3. धि (von 1. धी) m. am Ende eines comp. Behälter; s. अम्बु°, अ-  
म्भो°, इपु°, उत्स°, उद°, कीलात्, गर्भ°, जल°, तोय°, देह°, धन्व°,  
पर्ण°, शव° u. s. w.

4. धि = अधि (vgl. पि und अपि, व und अत्र); s. u. स्था.

धिक् ein Ausruf der Unzufriedenheit, des Vorwurfs AK. 3, 4, 33 (Co-  
lebr. 29), 2. H. an. 7, 9. Med. avj. 11. धिक्शब्दपतितश्चैव जीविते तस्य  
का दया Hariv. 4848. अहो धिक्का गतिं त्वय गमिष्यामि Brāhman. 1, 35.  
अहो धिगिति निःश्वस्य हा रामेति विचुक्रुषुः R. 2, 57, 11. Çik. 18, 9. हा  
धिक्कष्टम् Vikr. 61, 7. धिक्खल Çik. 25, 7, v. l. Pāṇāt. 38, 12. 69, 19. Rat-  
nāv. 31, 3. 13. धिगर्थाः कष्टसंश्रयाः Pāṇāt. 1, 179. अहो धिगियं द्रिद्रता  
123, 16. 234, 9. धिक्काता मम कैकेयी यया पापमिदं कृतम् R. 6, 82, 17. Ge-  
wöhnlich steht die Person oder Sache, welche diesen Ausruf der Unzufrie-  
denheit und des Vorwurfs veranlasst, nicht im voc. oder nom., wie in den  
vorangehenden Beispielen, sondern im acc. Siddh. K. zu P. 2, 3, 2. Vop. 5, 7.  
धिक्कास्तु Schande komme über dich, pfui Kūṇid. Up. 7, 13, 2. Lāṭj. 4, 3, 12.  
Draup. 9, 21. MBh. 12, 1, 18. R. 3, 51, 35. धिक्कामसति (voc.) पुंस्कामे (voc.)  
Hid. 3, 18. MBh. 5, 6006. fg. R. 2, 49, 4. 5. 6, 82, 117. fgg. Bhartr. 2, 2. Çik. 91,  
16. Brahma-P. in LA. 58, 5. विनादमगं मा धिगिति गर्ह्यो चकार Bhāg. P.  
5, 1, 38. Rāga-Tar. 3, 380. अहो वो धिक्बलं तात्र धिगेता वः कृतास्त्रताम्  
(Ausruf der Geringschätzung) MBh. 1, 5156. धिग्धिगित्यब्रुवं युद्धं तत्रध-  
र्मं च 5, 7, 159. धिगिदं जीवितं लेके गतसारमनर्थकम् Brāhman. 1, 14. R. 1,  
56, 23. मम वीर्यं धिगस्वेतयज्ञं जीवसि 6, 36, 41. 95, 43. Mṛék. 49, 20, 21.  
50, 9. Ragh. 8, 50. Bhartr. 2, 85. Kāth. 17, 112. Kāt. 4. हा हा धिक्  
MBh. 14, 2365. अहो धिक् R. 6, 82, 122. Auch mit dem gen.: धिगस्तु कृ-  
दयस्यास्य मम यज्ञं सत्कथा — स्फोटति 95, 40. स्त्रीस्वभावस्य धिक्खलु  
Hariv. 8722. धिक्कास्तु Mṛék. 113, 11. Phab. 75, 12. धिक्कार Jmd (acc.)  
seinen Unwillen zu erkennen geben, Jmd Vorwürfe machen: प्रत्यासन्न-  
व्यसनं न मा धिक्कृतुमर्हथ MBh. 12, 1422. Sā. zu RV. 7, 83, 23 bei

Muir, Sanskr. Texts 1, 128. धिक्कृत्य R. 4, 9, 8. धिक्क्रियमाण MBh. 12, 13216.  
धिक्कृत AK. 3, 1, 39, 2, 43. H. 440. MBh. 3, 2155. R. 6, 88, 18. Bhāg. P. 7,  
8, 53. n. pl. Missbilligung, Vorwürfe Даѡ. in Benf. Chr. 183, 1. —  
Man hat diese Interjection mit दिक् identificiren wollen.

धिक्कार (von धिक् + 1. कार) m. Missbilligung, Vorwürfe Çabdān.  
im ÇKDr. Çāntiç. 1, 16. Bhāg. P. 4, 14, 12.

धिक्क्रिया (धिक् + क्रिया) f. dass. H. 271.

धिन्, धिन्तते anzünden (vgl. दक्. धुन्); gepflegt werden; leben Dhātup.  
16, 2.

धिग्दण्ड (धिक् + दण्ड) m. Verweis: वाग्दण्ड, धिग्द°, धन°, वध° M.  
8, 129. Jāñ. 1, 366. MBh. 12, 10798. 10804.

धिग्वाण m. Bez. einer Mischlingskaste, der Sohn eines Brāhmaṇa  
und einer Ajogavi M. 10, 15. °वाणानां चर्मकार्यम् 19; vgl. Uçanas bei  
Kull. zu d. St.

1. धित partic. von 1. धा; s. डर्धित, नेम°, मित्र°, युव°, वसु°, सु°.

2. धित partic. von 1. धि.

धितवान् adj. etwagabenreich: (अग्निम्) अष्टुवानं धितवानम् (Padap.:  
धितवानम्) RV. 3, 27, 2. यज्ञ 40, 3.

धिति (von 1. धा) s. नेम°, मित्र°, वन°, वसु°.

धिँत्स्य partic. fut. pass. vom desid. von 1. धा P. 3, 1, 97, Sch.

धिन्व s. 1. धि.

धिप्सु (vom desid. von 1. दम्) adj. zu betrügen beabsichtigend Bhāṭṭ.  
9, 33.

धियंजिन्वै (धियम्, acc. von 2. धी + जि°) adj. Nachdenken —. An-  
dacht erregend, — belebend; von Pūshan RV. 1, 89, 5. 6, 58, 2. den  
Açvin 1, 182, 1. 8, 26, 6. — 7, 33, 1.

धियंघा (धियम् + 2. घा) adj. nachdenkend, andächtig; verständig:  
विदत्तीमत्र नरो धियंघा कृदा यत्पृष्टान्मन्त्रौ अशंसन् RV. 1, 67, 4 (2). प्र वा-  
मवोचमग्निना धियंघा: 4, 43, 7. 10, 61, 18. अग्नये धियंघे 7, 13, 1. Götter 2, 2.

धियसानै (von 1. धी; vgl. Aufrecht in Z. f. vgl. Spr. 2, 150) adj. auf-  
merkend: स त्वं न इन्द्र धियसानो अर्कहरीणो वृष्न्योक्तमग्ने: RV. 5, 33, 2.  
10, 32, 1.

धियाज्ञुर (धिया, instr. von 2. धी, + 2. जुर) adj. in Andachtsübung  
gealtert: बृहद्वयो बृहते तुभ्यमग्ने धियाज्ञुरा मियुनासः सचत RV. 5, 43, 15.

धियंपति (धियाम्, gen. pl. von 2. धी, + प°) m. der Herr der Ge-  
danken: 1) die Seele ÇKDr. Wils. — 2) Bein. Mañgughosha's Taik.  
1, 1, 22.

धियाय (denom. von 2. धी) aufmerken. प्र वः पातमन्धसो धियायते  
महे श्राय विज्ञवे चार्चत RV. 1, 153, 1. Andacht üben: एष पुत्र धियायते  
बृहते देवतातये 9, 15, 2.

धियायु (vom vorherg.) adj. nachdenkend, andächtig: विप्रासः RV.  
1, 8, 6.

धियावसु (धिया, instr. von 2. धी, + वसु) adj. an Andacht reich:  
(सरस्वती) यज्ञं वष्टु धियावसुः RV. 1, 3, 10. देवमिर्मिर्षितो धियावसुः  
3, 3, 2. 28, 1.

1. धिष् = 1. धा Nir. 8, 3 zur Erkl. von धिषणा. दिधेष्टि tōnen (शब्दे)

Dhātup. 25, 22.

2. धिष् f. vielleicht Aufmerksamkeit (vgl. धी), = प्रज्ञा, कर्मन्, स्तुति